# ११. कृषक गान

*– दिनेश भारद्वाज*

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्‌वान उसका आज कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

विश्व का पालक बन जो, अमर उसको कर रहा है,
किंतु अपने पालितों के, पद दलित हो मर रहा है,
आज उससे कर मिला, नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर-असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

('गीतों का अवतार' गीत संग्रह से)

—— ० ——

## परिचय

**जन्म :** १९४३, मुरैना (म.प्र.)
**परिचय :** दिनेश भारद्‌वाज जी की रचनाएँ जमीन से जुड़ी रहती हैं । आपकी रचनाओं में अपने देश की मिट्‌टी की सुगंध आती है । आपकी कहानियाँ, कविताएँ, पत्र-पत्रिकाओं की शोभा बढ़ाती रहती हैं ।
**कृतियाँ :** 'जन्म और जिंदगी' 'तृष्णा से तृप्ति तक' (कविता संग्रह), 'एकात्म' (दोहा संग्रह) आदि ।

## पद्‌य संबंधी

प्रस्तुत गीत कृषक के जीवन पर आधारित है । अन्नदाता कृषक की दुर्दशा का वर्णन करते हुए कवि उसका महत्त्व और सम्मान पुनः स्थापित करना चाहता है ।

## शब्द संसार

**मधुमास** पुं. सं.(सं.) = वसंत ऋतु
**सृजक** पुं.सं.(सं.) = रचना करने वाला, सर्जक
**मनुजता** स्त्री. सं.(सं.) = मनुष्यता
**पालित** वि.(सं.) = पाला हुआ, आश्रित
**ऊसर** वि.(सं.) = बंजर, अनुपजाऊ
**उर्वरा** स्त्री. सं.(सं.) = उपजाऊ भूमि
**नीड़** पुं. सं.(सं.) = घोंसला

## स्वाध्याय

✻ **सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–**

**(१) संजाल पूर्ण कीजिए :**

कवि की चाह

**(२) कृतियाँ पूर्ण कीजिए :**

१. कृषक इन स्थितियों में अविचल रहता है

२. कविता में प्रयुक्त ऋतुओं के नाम

**(३) वाक्य पूर्ण कीजिए :**

१. कृषक कमजोर शरीर को ------
२. कृषक बंजर जमीन को ------

**(४) निम्नलिखित पंक्तियों में कवि के मन में कृषक के प्रति जागृत होने वाले भाव लिखिए :**

| | पंक्ति | भाव |
|---|---|---|
| १. | आज उसपर मान कर लूँ | |
| २. | आह्‌वान उसका आज कर लूँ | |
| ३. | नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ | |
| ४. | आज उसका ध्यान कर लूँ। | |

**(५) कविता में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द हैं :**

१. निर्माता – ______
२. शरीर – ______
३. राक्षस – ______
४. मानव – ______

**(६) कविता की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।**

**(७) निम्न मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :**

रचनाकार कवि का नाम :
रचना का प्रकार :
पसंदीदा पंक्ति :
पसंदीदा होने का कारण :
रचना से प्राप्त प्रेरणा :

C26FH5